

ऐसा है, जो कि पाकिस्तान के कब्जे में आ गया है, जहाँ से हम उस को हटा नहीं सके हैं। जब फायरिंग होती है, तो प्रैस में यह खबर छपती है कि कोई आदमी नहीं मारा गया। मैं यह जानना चाहता हूँ कि जब गोलियाँ चलती हैं, तो क्या वाकई कोई नहीं मारा जाता है या उस को उठा लिया जाता है।

श्री जवाहरलाल नेहरू : माननीय सदस्य पूछने हैं कि कौन हिस्सा उन के कब्जे में है। किस जगह पर किस के कब्जे में है? क्योंकि वे तो हटा दिये गये हैं। और जगह के बारे में मैं नहीं कह सकता, क्योंकि और जगह हैं, जो बहस-तलब हैं। वहाँ ऐसी कश्मकश हुआ करती है कि वे आ गये और हटा दिये गये। एक-आध जगह, लाठीटीला की थोड़ी सी जगह पर वे कायम हैं। जहाँ तक जमीन के हिस्से का ताल्लुक है, बहुत कम जमीन है, यानी ती गज या पचास गज इधर हो। ऐसा कहीं कहीं होता है।

Mr. Deputy-Speaker: Your letter has been forwarded to the Ministry. As soon as the reply is received, what action is to be taken will be taken.

डा० राम मनोहर लोहिया : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आप की सेवा में अर्ज करूँगा कि चीन के नेता लोग तब तक हिन्दुस्तान की हवा का इस्तेमाल कर चुके होंगे और हम उन को रोक नहीं पायेंगे। विदेश मंत्री ने यह गलत बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर वे और किसी रास्ते से जाते, तो उन को लम्बा रास्ता पड़ता। बल्कि लम्बा रास्ता हिन्दुस्तान का पड़ रहा है।

Mr. Deputy-Speaker: Papers to be laid on the Table. Shri Humayun Kabir.

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ। अध्यक्ष के आदेशों वाली जो धारा ११५ है,

Mr. Deputy-Speaker: Order, order. I have told the hon. Member that I have received the letter and it has been referred to the Ministry. As soon as the reply is received, action will be taken.

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) : श्रीमन्, व्यवस्था का प्रश्न उठाया जा रहा है। जब तक आप उस को सुनेंगे नहीं, तब तक आप कैसे समझ लेंगे कि वह व्यवस्था का प्रश्न नहीं है ?

Mr. Deputy-Speaker: There is no point of order. There cannot be a point of order on a question which is not before the House. Shri Humayun Kabir.

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं धारा ११५ पढ़ कर सुनाता हूँ। उस में लिखा हुआ है

Mr. Deputy-Speaker: We have finished one item. We are on the other item.

12.26 hrs.

ALLEGED INACCURACY IN STATEMENT OF PRIME MINISTER

उपाध्यक्ष महोदय : पेपर्स टु बि लेड आन दि टेबल।

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, विदेश मंत्री की गलतियों को सुधारने के लिए मैं ने आप को अध्यक्ष के आदेश ११५ के तहत कल खत लिखा था।

उपाध्यक्ष महोदय : वह मिनिस्ट्री को भेज दिया गया है। जवाब आने के बाद देखा जायेगा कि उस पर क्या कायवाही हो सकती है।

डा० राम मनोहर लोहिया : तब तक चीन के नुटेरे हिन्दुस्तान की हवा का इस्तेमाल कर चुके होंगे।

श्री राम सेवक यादव : आप ने कहा कि ११५ के तहत जो पत्र आप को मिला, उसे आप ने भेज दिया है मंत्रालय को । जब आप ने यह कह दिया, तो उसी से व्यवस्था का प्रश्न उठता है । उस के बारे में आप सुन लें और फिर कोई निर्णय दें ।

उपाध्यक्ष महोदय : यह व्यवस्था का प्रश्न नहीं है । Shri Humayun Kabir.

12.28 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

ANNUAL REPORT OF THE FERTILISER CORPORATION OF INDIA LIMITED AND ITS REVIEW

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): I beg to lay on the Table a copy each of the following papers:—

- (i) Annual Report of the Fertilizer Corporation of India Limited, New Delhi, for the year 1962-63, along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General thereon, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956.
- (ii) Review by the Government on the working of the above Corporation.

[Placed in Library, See No. LT-2079/63].

12.28½ hrs.

ALLEGED INACCURACY IN STATEMENT OF PRIME MINISTER—contd.

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : घारा ११५ को आप सुन लें । विदेश मंत्री ने यहां पर बिल्कुल गलत बयानी की है ।

Mr. Deputy-Speaker: I have told the hon. Member that the letter has

been referred to the Ministry. He is still persisting. Shri Humayun Kabir.

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): I have carried out your instructions, Sir.

डा० राम मनोहर लोहिया : वह चीन के नेताओं के सम्बन्ध में है । वे शायद इसी वक्त हिन्दुस्तान की हवा का इस्तेमाल कर रहे हैं और विदेश मंत्री अगर चार पांच दिन तक जवाब नहीं देते. तो फिर क्या होगा ?

उपाध्यक्ष महोदय : अगर कोई दूसरा प्रश्न है तो आप चिट्ठी भेजिये । मैं देखूंगा ।

डा० राम मनोहर लोहिया : जो किताब में लिखा हुआ है, अध्यक्ष को उसी के अनुसार चलना चाहिए । अध्यक्ष मनमानी नहीं कर सकता है । अध्यक्ष नियमों में रहते हुए ही निर्णय दे सकता है । आप अपनी स्वेच्छा से निर्णय दे सकते हैं, लेकिन मनमानी नहीं कर सकते । नियमों के अन्दर रहते हुए ही आप . . .

Mr. Deputy-Speaker: I shall see what the hon. Member's letter is and then, if necessary, I shall permit the hon. Member. Otherwise, I shall see what is to be done.

डा० राम मनोहर लोहिया : मुझे शाम को आप वक्त दे देंगे ?

उपाध्यक्ष महोदय : कल ।

डा० राम मनोहर लोहिया : बात यह है कि लोक सभा के ही काम से मुझे आज रात यहां से चले जाना पड़ेगा ।

उपाध्यक्ष महोदय : आपको वक्त मिल जाएगा ।

एक माननीय सदस्य : लोक सभा के काम से ?

डा० राम मनोहर लोहिया : लोक सभा के लिए एक उप-निर्वाचन हो रहा है ।